NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 5
Chapter Name : उत्साह और अट नहीं रही है

Q1 कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है, क्यों?
Answer.
कवि का बादलो को गरजने के लिए कहना सूचक है। कभी बादलों की गर्जना को शक्ति का प्रतीक मानकर मनुष्य में उत्साह और साहस भरना चाहता है । फुहार, रिमझिम या बरसने से क्रांति नहीं आती समाज में परिवर्तन लाने के लिए क्रांति आवश्यक है यही कारण है कि कवि बादल से गरजने को कहता है।

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?
Answer.
प्रस्तुत कविता का शीर्षक उस 'उत्साह' इसलिए रखा गया है क्योंकि उत्साह मन में नए भाव या परिवर्तन का भाव जगाता है। कवि समाज में क्रांति के लिए उत्साहित है इसीलिए 'उत्साह' शीर्षक रखा गया है। मनुष्य में उत्साह होना ही उसकी उन्नति का कारण है।

Page :- 35 , Block Name :-प्रश्न अभ्यास

Q3 कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?
Answer.
कविता में बादल निम्नलिखित अर्थ की ओर संकेत करता है:-क्रांति आने की अर्थ की ओर। नवजीवन के अर्थ की ओर। नूतन कविता के अर्थ की ओर।

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भावया दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो, नाद-सौंदर्य कहलाता है। उत्साह कविता में ऐसे कौन-से शब्द हैं जिनमें नाद-सौंदर्य मौजूद है, छाँटकर लिखें।
Answer.
घेर घेर घोर गगन
ललित ललित, काले घुंघराले
विद्युत- छवि उर में
विकल विकल उन्मन थे उन्मन

Page :- 35 , Block Name:- प्रश्न अभ्यास

aglasem.com

Q5 जैसे बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं वैसे ही कवि के अंतर्मन में भी भावों के बादल उमड़-घुमड़कर कविता के रूप में अभिव्यक्त होते हैं। ऐसे ही किसी प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर अपने उमडते भावों को कविता में उतारिए।
Answer.
छात्र स्वयं करें।

Page :- 35 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

अट नहीं रही है

Q1 छायावाद की एक खास विशेषता है अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाना। कविता की किन पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है? लिखिए।
Answer.
कविता के निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर यह पोस्ट होता है कि प्रस्तुत कविता में अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाया गया है:-
आंख हटाता हूं तो
हट नहीं रही है।
पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल,
कहीं पड़ी है उर में
मंद- गंध- पुष्प- माल
पाट पाट शोभा श्री।

aglasem.com

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?
Answer.
कवि की आंख फागुन की सुंदरता से इसलिए हट नहीं रही है क्योंकि इस महीने में प्रकृति का सौंदर्य अत्यंत मनमोहक होता है। पेड़ों पर हरी और लाल पत्तियां लटक रही होती हैं। चारों ओर फैली हरियाली और खिले रंग-बिरंगे फूल अपनी सुगंध से मुक्त कर देते हैं। प्रकृति का नया रंग और सुगंध जीवन में नई ऊर्जा का संचार करती है।

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रुपों में किया है?

Answer.
प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन निम्नलिखित रूपों में किया है:-पेड़ पौधे नए पत्ते पाकर खिलखिला रहे हैं। फूलों की खुशबू वातावरण को सुगंधित कर रही है। डालियां कहीं हरी तो कहीं लाल पत्तियों से भर जाती है।

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?
Answer.
फागुन में मादकता का प्रभाव विशेष रूप से होता है। यह मादकता उसे अन्य ऋतुओं से अलग कर देती है। फागुन में बसंत का मोहक सौंदर्य देखते ही बनता है। पकी फसलें सभी का मन मोह लेती है। प्राकृतिक सुंदरता के कारण सभी का मन प्रसन्न होता है।

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q5 इन कविताओं के आधार पर निराला के काव्य-शिल्प की विशेषताएँ लिखिए।
Answer.
उनकी कविता में छायावादी कविता की उड़ान है। प्रकृति चित्रण अत्यंत कुशलता से किया गया है। वे प्रकृति का मानवीकरण करने में कुशल है। कविता में खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है। कविता का शिल्प नाद सौंदर्य उत्पन्न करता है।

Page :- 35 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 होली के आसपास प्रकृति में जो परिवर्तन दिखाई देते हैं, उन्हें लिखिए।
Answer.
छात्र स्वयं करें।

Page :- 35 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com